# Mitch an Using The Gazette of India

चसोधारण

### EXTRAORDINARY

भाग II - खण्ड 3 - उपलब्ड (i)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्राथिकार से प्रकाशित

### PUBLISHED BY AUTHORITY " " " "

₹fo 55]

मई बिल्ली, सोमबार, मार्च 16, 1970/फाल्गुम 25, 1891

No. 55

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 16, 1970/PHALGUNA 25, 1891

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

# MINISTRY OF FOOD,, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Food)

### ORDER

New Delhi, the 16th March 1970

- G.S.R. 444.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Foodgrains (Prohibition of Use in Manufacture of Starch) Order, 1966, namely:—
- 1. (1) This Order may be called the Foodgrains (Prohibition of Use in Manufacture of Starch) Amendment Order, 1970.
  - (2) It shall come into force at once.
- 2. In the Foodgrains (Prohibition of Use in Manufacture of Starch) Order, 1966,-
  - (1) For clause 4A, the following clause shall be substituted, namely:
    - "4A. Manufacture of Starch out of Demaged or Deteriorated or Contaminated Foodgrains.—(1) Notwithstanding anything contained in clause 3 or clause 4, no person shall use damaged, deteriorated or contaminated foodgrains in the manufacture of starch except under and in accordance with a permit issued by the Central Government or a State Government or an officer authorised by such Government, and unless such foodgrains have been certified by the said authority as unfit for human consumption.

- (2) Before a permit is issued under sub-clause (1), representative samples of the suspect foodgrains shall be drawn and got analysed in a recognised foodgrains laboratory by the authority issuing the permit.
- (2) After clause 4A, the following clause shall be inserted, namely: -
  - 4. B. Supervision of conversion of contaminated foodgrains into Inedible starch.—(1) The conversion of contaminated foodgrains into inedible starch, in a starch factory, shall be supervised by an officer authorised for this purpose by the Central Government or a State Government.
    - (2) For the purpose of sub-clause (1), the permit issued under clause 4A shall specify whether or not the foodgrains used in the manufacture of starch are contaminated. If the foodgrains are contaminated, then the authority granting the permit shall accordingly inform the officer authorised to supervise under sub-clause (1).

Explanation.—Contaminated foodgrains are foodgrains which are compounded of toxic elements that cannot be removed and have become unfit or unsafe for human consumption.

[No. 205(GEN)(3)/6/70-PY II.] R. BALASUBRAMANIAN, Jt. Secy.

# खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय (बाच विभाग)

### मादेश

## नई दिल्ली, 16 मार्च, 1970

सा० का० नि० 444: — आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त गिकतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार खाद्याल (स्टार्च के विनिर्माण में उपयोग का प्रतिषेध) श्रादेश, 1966 में श्रीर श्रागे संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित श्रादेश बनाती है, भर्यात:—

- (1) यह म्रादेश खादान्न (स्टार्च के विनिर्माण में उपयोग का प्रतिषेक्ष) (संशोधन) बादेश, 1970 का जा सकेगा।
  - (2) यह तुरन्त अवृत्त हो जाएगा ।
  - 2. बाबास (स्टार्च के विनिर्माण में उपयोग का प्रतिषेध) प्रादेश, 1966 में---
  - (1) खण्ड 4क के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, प्रयात् :---
  - "4क. नुकतानप्रस्त या जराब हुए अथवा सं वृत्तित लाजातों से स्टावं का विनिर्माण:—
    (1) खण्ड 3 या खण्ड 4 में किसी बात के होते हुए भी कोई भी व्यक्ति स्टावं के विनिर्माण में नुकसानग्रस्त, खराब या संदूषित खाद्याभों का, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या ऐसा सरकार द्वारा प्राधिकृत श्रधिकारी द्वारा जारी किए अनुजापत के अधीन ग्रीर उसके अनुसार के सिवाय, श्रौर तब तक जब तक कि ऐसे खाद्याभों की वाबत उक्त प्राधिकारी ने यह प्रमाणित न कर दिया हो कि वे मानवीय उपभोग के लिए श्रयोग्य हैं, उपयोग नहीं करेगा।

- (2) उपखण्ड (1) के प्रधीन धनुज्ञापत्र जारी करने से पूर्व धनुज्ञापत्न जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा संविग्ध खाद्याओं के प्रतिनिधायी नमूने लिए आयेंगे भौर किसी मान्यता प्राप्त खाद्याल प्रयोगशाला में उनका विश्लेषण कराया जाएगा।"
- (2) खण्ड 4क के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड ग्रन्तःस्थापित किया जाएगा, ग्रयत् :---
- 4 ख. संदूषित खाद्याओं के प्रखाद्य स्टार्च में संपरिवर्तन का पर्यंवेक्षरणः—(1) किसी स्टार्च कारखाने में, संदूषित खाद्याओं के प्रखाद्य स्टार्च में संपरिवर्तन का पर्यंविक्षण केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत प्रधिकारी द्वारा किया जाएगा।
- (2) उप-खण्ड (1) के प्रयोजन के लिए, खण्ड 4क के भ्रधीन जारी किए गए अनुजापत में यह विनिर्दिष्ट होगा कि स्टार्च के विनिर्माण में प्रयुक्त खाधान्न संदूषित हैं या नहीं। यदि खाद्यान्न संदूषित हों,तो भनुजापत्न देने वाला प्राधिकारी, उपखंड (1) के मधीन पर्यवेक्षण करने के लिए प्राधिकृत भ्रधिकारी को तदनुसार सूचित करेगा।

स्पष्टीकरण ृं—संदूषित खाद्यान्न वे खाद्यान्न हैं जो उन विषैले तस्वों का यौगिक है जिन्हें हटाया नहीं जा सकता और जो मानवीय उपभोग के लिए श्रयोग्य और श्रक्षेमकर हो गए हैं ।

[सं॰ 205' (जन) (3)/6/70-पी॰ वाई०-II]
श्रार॰ बालासुब्रमण्यिन, $rac{a}{3}$ संयुक्त सिष्य ।

